YouthBol a campaign by:

And supported by

प्रेस विज्ञप्ति

viuh rjg dk igyk ikWy tks Hkkjr ds ;qokvksa ls mudh LokLF; lacU/kh çkFkfedrkvksa ds ckjs esa iwN jgk gS

नई दिल्ली, अक्टूबर ३१, २०१९ : आज नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में, सेंटर फॉर कैटलाइज़िंग चेंज (सीइ) और यू.एस.ए.आई.डी ने एक अभूतपूर्व यूथबोल पॉल (युवाओं की आवाज़) के परिणामों को प्रकाशित किया।

दस महीने से ज्यादा समय में, पूरे भारत में १०-२४ वर्ष के १००,००० से ज्यादा युवाओं को उन चीज़ों की पहचान करने के लिए कहा गया जिन्हें वह अपने स्वास्थ्य और कल्याण संबंधित सबसे महत्वपूर्ण मुा मानते हैं। यूथबोल पॉल के ऑकड़ें, प्रत्येक क्षेत्र में और ऑनलाइन, दोनों स्तरों से एकत्रित किया गया। यह पोल नीतिगत निर्णयों में सहयोग के लिए विकसित किया गया, मुख्य रुप जब स्वास्थ्य-संबंधित नीतियों और परियोजनाओं की बात आती है।

इस कार्यक्रम में पॉल से प्राप्त प्रमुख परिणामों को प्रस्तुत किया गया। प्राप्त ऑकड़ें दर्शाते हैं कि ३६ प्रतिशत प्रतिभागियों के अनुसार स्वास्थ्य उनकी प्रमुख प्राथमिकता है, यह दर्शाते हुए कि आज के युवाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी के अवसरों अन्य मुों जैसे पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक स्थिति, बीमारी, रोग और इलाज आदि से पहले आते हैं।

आकडों के अनुसार, दूसरी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता स्कूलों और समुदायों स्तर पर बेहतर सुविधाओं की जरुरत दर्ज किया गया, जिसके अन्तर्गत २६ प्रतिशत प्रतिभागियों ने कम्प्यूटर, पुस्तकालय, भोजन, खेल के मैदान, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र, साफ शौचालयों, साफ हवा और पानी की उपलब्धता को प्राथमिकता बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित सरकार, सिविल सोसायटी और मीडिया के प्रतिनिधियों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करते हुए सी३ के कार्यकारी निदेशक, डॉ. अप्राजिता गोगोई, ने वर्तमान यूथबोल पॉल के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें उन्होंने ने बताया कि, 'भारत में युवा लोगों की बड़ी जनसंख्या है। ३५ करोड़ के इस जनसंख्या में इस देश के भविष्य निर्धारित करने की अपार शक्ति है। भारत के स्वास्थ्य नीतियों और कार्यक्रमों के विकास में युवाओं की भागिदारी होना चाहिए जो कि प्रमुख रुप से उनसे संबंधित है। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि युवाओं की आवाज़ भी नीतियों और कार्यक्रमों को विकास प्रक्रिया में सम्मीलित किया जाए। अत: यूथबोल इस कड़ी में एक अनोखा और नया प्रयास है।

नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम एक प्रमुख समस्या है, जिसमें प्रतिभागियों ने नशीले पदार्थों से बचने के उपाय और उसके लत से उबरने के उपाय संबंधित जानकारी और सेवाओं की जरूरत पर बल दिया। स्कूलों और कॉलेजों के नज़दीक शराब और तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध; नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली समस्याओं के लिए हैल्पलाइन्स; और गणवत्तायुक्त मुफ्त रिहेबिलिटेशन सेवाओं के बेहतर पहुच पर जोर दिया है। कई युवा महिलाओं ने मासिक धर्म संबंधी जानकारी और देखरेख, मासिक धर्म में दर्द के प्रबंध, और मासिक धर्म में स्वच्छता वाले प्रोडक्ट्स आदि पर जानकारी व सेवाओं की उपल्बधता पर जोर दिया। उन्होनें ब्यस्कों से इस समस्या पर बेहतर समझ और जवाबदेही की इच्छा अभिवयक्त की है।

सबसे बड़े आयु वर्ग (२०-२४ साल), खासतौर पर विवाहित प्रतिभागियों के लिए, गर्भनिरोधाक तकनिकियों और परिवार नियोजन संबंधित सेवाओं और जानकारी एक मुख्य प्राथमिकता की रुप में उभर कर सामने आयी। मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी और सेवाओं कि उपलब्धता भी प्राथमिकता का एक विषय है, जिसमें युवा लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे शैक्षिक दबाव और तनाव, साथियों के दबाव, और धमकाने आदि का सामना करने कि दक्षता विकसित किया जाए। वह गैर-निर्णायक, गोपनीय, और सस्ते मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बेहतर उपलब्ता भी चाहते हैं।

यू.एस.ए.आई.डी के स्वास्थ्य कार्यालय के प्रतिनिधि, डॉ. जिबन बैश्य ने कार्यक्रम में अपने विचास वयक्त करते हुए कहा कि नीतिगत प्रक्रियाओं में पॉल के परिणामों को भी आधार बनाया जाना चाहिए। 'इस कक्ष में हमारे पास युवाओं के अलावा डेवल्पमेंट पार्टनर, फाउंडेशंस, सिविल सोसायटी संठगन, और सरकारी प्रतिनिधि हैं। युवाओं पर केंद्रित सेवाओं की गुणवŸाा और पहुंच को बेहतर बनाने में हम में से प्रत्येक की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। जैसा कि आप सभी अपने स्तर पर सह इस बात का प्रयास कर सकते हैं कि कैसे भारत के युवाओं को उच्च स्तर पर ले जाया जा सकता लें

####

vfrfjDr tkudkjh ds fy, Ñi;k laidZ djs % jk[kh fe?kykuh] rmiglani@c3india.org] 8130041469

सेंटर फॉर कैटलाइज़िंग चेंज (सी३), जिसे पहले सेंटर फॉर डेवल्पमेंट और पोप्यूलेशन एक्टिविटीज़ (सीईडीपीए) की तरह जाना जाता था, १९८७ से भारत में काम कर रहा है। पिछले कुछ सालों में, यह देश में लड़कियों, महिलाओं और युवाओं की स्थिति को बेहतर बनाने पर केंद्रित एक मुख्य बदलाव लाने वाले संगठन की तरह उभर कर आया है। सी३ का मुख्य काम और विश्वास यह मानना है कि विकास और लोकतंत्र के लिए लिंग समानता महत्वपूर्ण है। यूथबोल और सी३ पर ज्यादा जानकारी के लिए, कृपया वैबसाइट विज़िट करें : www.c3india.org
http://www.c3india/youthbolfindings

यूएसएआईडी दुनिया की प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय डेवल्पमेंट एजेंसी है और एक उत्प्रेरक एक्टर ड्राइविंग डेवल्पमेंट रीज़ल्ट है। यूएसएआईडी ने प्रिवेंटेबल बच्चों और माताओं की मृत्यु को समाप्त करने, एड्स-मुक्त जनरेशन, और चैम्पियन टीबी-मुक्त भारत के लिए भारत सरकार और प्राइवेट सेक्टर के साथ पार्टनरशिप की है। ज्यादा जानकारी के लिए, कृपया विज़िट करे : www.USAID.gov/India। कैम्पेन का यूएसएआईडी की मातृ शिशु जीवन रक्षा योजना द्वारा समर्थन किया गया था।